कार्बन तीव्रता

[स्रोत: द हिंदू](#)

कार्बन तीव्रता किसी विशिष्ट क्षेत्र या अर्थव्यवस्था में प्रति इकाई उत्पादन में उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की मात्रा को मापती है। यह आर्थिक विकास या उत्पादन स्तरों को ध्यान में रखते हुए **उत्सर्जन को कम करने** में प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है।

- उदाहरण के लिये, इस्पात क्षेत्र की कार्बन तीव्रता को प्रति टन उत्सर्जित CO_2 से उत्पादित टन की संख्या के रूप में मापा जा सकता है।
- **राष्ट्रीय कार्बन तीव्रता:** किसी देश की **कार्बन तीव्रता को प्रति व्यक्ति [सकल घरेलू उत्पाद (GDP)](#) वृद्धि को [CO_2 उत्सर्जन](#) से विभाजित** करके मापा जाता है।
- **भारत और जलवायु लक्ष्यों के लिये महत्त्व:** कार्बन तीव्रता [पेरिस समझौते (2015)](#) के तहत जलवायु प्रतिबद्धताओं का आकलन करने और वर्ष 2005 के स्तर से **वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
    - कार्बन तीव्रता पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

//

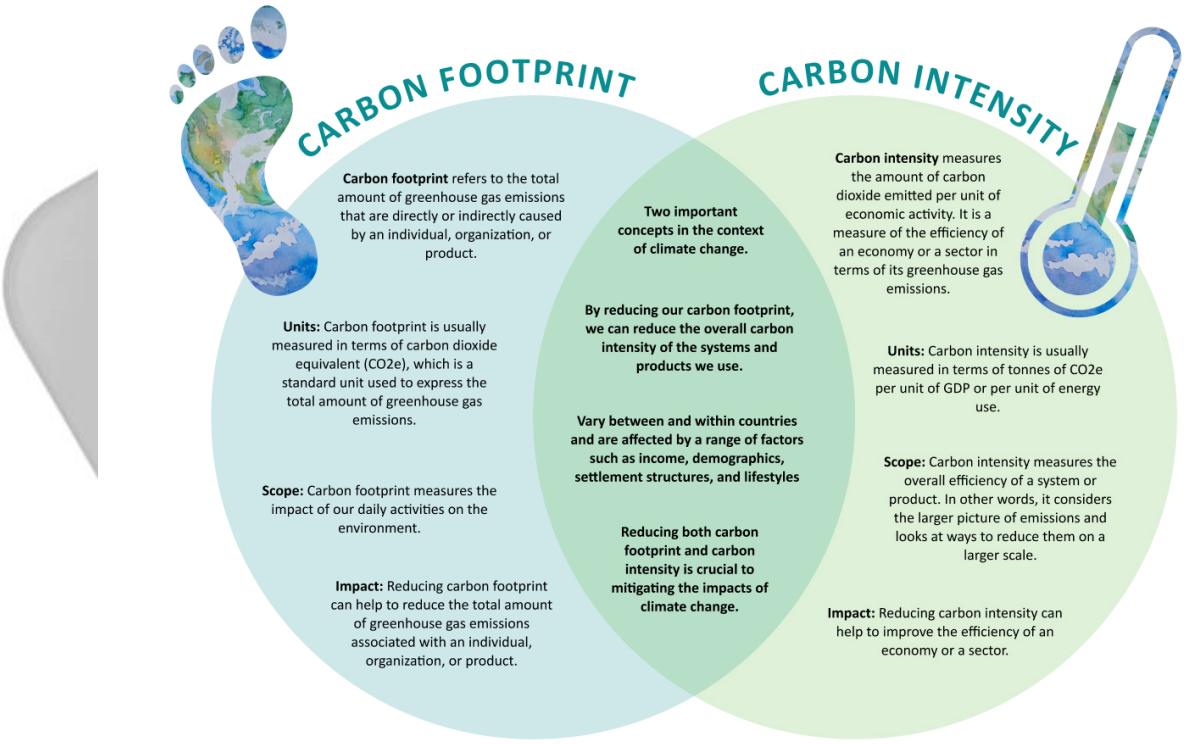

और पढ़ें: [भारत का कार्बन बाज़ार: एक हरित प्रगति](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/carbon-intensity